

سُورَةُ الْفِيلِ

Surah 105 — Al-Fil (The Elephant) · Meccan · 5 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ أَلَمْ تَرَ كَيْفَ فَعَلَ رَبُّكَ بِأَصْحَابِ الْفِيلِ

ऐ रसूल क्या तुमने नहीं देखा कि तुम्हारे परवरदिगार ने हाथी वालों के साथ क्या किया

2

أَلَمْ يَجْعَلْ كَيْدَهُمْ فِي تَضْلِيلٍ؟

क्या उसने उनकी तमाम तद्बीरें गलत नहीं कर दीं (ज़रूर)

3

وَأَرْسَلَ عَلَيْهِمْ طَيْرًا أَبَابِيلَ

और उन पर झुन्ड की झुन्ड चिड़ियाँ भेज दीं

4

تَرْمِيهِمْ بِحِجَارَةٍ؟ مِّنْ سِجِّيلٍ؟

जो उन पर खरन्जों की कंकरियाँ फेकती थीं

5

فَجَعَلَهُمْ كَعَصْفٍ؟ مَّاكُولٍ؟

तो उन्हें चबाए हुए भूस की (तबाह) कर दिया